मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एस.के.-004 : आधुनिक संस्कृत साहित्य और साहित्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर देने हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

निर्देश : *अधोलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$3 \times 20 = 60$

1. आधुनिक काव्य-विधाओं के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए नाट्य रचना विधा का उल्लेख कीजिए।

2. विषयगत वैविध्यपरक रचनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

3. प्रोफेसेर अभिराज राजेन्द्र की रचनाधर्मिता का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. बीसवीं शती के प्रमुख साहित्यकारों के जीवन एवं रचना-संसार पर प्रकाश डालिए।

5. पठित अंश के आधार पर 'जानकीजीवनम्' महाकाव्य का सारांश लिखिए।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की व्याख्या कीजिए :

(अ) निरन्तरं व्योम्नि ववुः प्रयात्या
अदर्शिरात्रावपि धूमकेतु।
विधे! न जाने भविता किमस्ति
त्यानारतं जानपदैर्व्यतर्कि॥

(ब) ददर्श राजा सहसैव तस्मिन्
वनप्रदेशे रुचिरं कुटीरम्।
अमात्यसंकेतितमात्म लक्ष्यं
गुरोर्गृहं गोतमनन्दनस्य॥

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. गद्यरचना विधा पर प्रकाश डालिए।
2. 'जानकीजीवनम्' महाकाव्य के द्वितीय सर्ग की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
3. पण्डिता क्षमाराव का परिचय लिखिए।
4. 'मीरालहरी' के प्रथम खण्ड का सारांश लिखिए।
5. 'मीरालहरी' के उत्तरखण्ड में क्या वर्णित है ? अपने शब्दों में लिखिए।
6. प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी का परिचय लिखिए।
7. विचित्रोपाख्यान की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।
8. अनूदित साहित्य क्या है ? वर्णन कीजिए।

× × × × ×